COVID-19 EXPERIENCE WRITING COMPITITION

"Covid-19 Experience 2020"

In my words....

Name - TEENA TRIPATHI [टीना त्रिपाठी]
Mail Id- teenasikhwal@gmail.com
Contact no- 8619049858, 8209795514
Designation - Nurse Gr. II
M.G.H, JODHPUR (Raj.)

जिन्दगी की वास्तविक समझ अनुभव से पैदा होती है। कुछ भी वास्तविक नहीं होता है, जब तक उसका अनुभव न किया जाए। अनुभव वो प्रत्यक्ष ज्ञान होता है, जिसमें व्यक्ति अपनी क्षमताओं का समुचित आकलन और नियोजन कर अपने भीतर समाई दिव्य क्षमताओं का परिचय कर पाते हैं। ज्ञान का एकमात्र स्त्रोत अनुभव है। प्रसिद्ध कहावत भी है "Experience is one thing you can't get for nothing" अर्थात अनुभव एक ऐसी चीज है जिसे बिना आप कुछ किये नही पा सकते हो। मैंने भी COVID-19 में duty लगने पर जो अनुभव किया वो कुछ इस तरह था। Duty roster में जब मैंने मेरा नाम COVID-19 Postive pts. ward में देखा तो मेरे सामने समस्या ये थी कि मैं अपने बच्चे को अपने आप से अलग कैसे करूँ क्योंकि वो स्तनपान करता था और उसे मैंने

Scanned by CamScanner

Duty समय के अतिरिक्त अपने आप से कभी अलग नही किया था, परन्तु COVID-19 में Duty करने के लिए मुझे 7 days Duty और 14 days quarantine होना था। फिर मैंने नर्सिंग कर्तव्य को प्राथमिकता देते हुए COVID-19 में Duty शुरू की।

जब मैं Duty पर जाती तो जाते ही PPE KIT पहन लेती और जिसे पहनकर मुझे 'Alien' वाली feeling आती थी क्योंकि उसकी बनावट भी ऐसी ही थी और उसका material ऐसा था कि उसमें से हवा भी पास नही हो पाती थी उसके ऊपर वो टोपी जिसपर पॉलिथिन लगी हुई थी, जो कि आँखो पर चश्मे का काम करती थी परन्तु मेरे सामने दिक्कत ये थी कि मैं चश्मा लगाती थी और जब मैं वो टोपी पहनकर पूरे मुंह को कवर कर लेती - तो बहुत ज्यादा suffocation होता था साँस लेने में भी दिक्कत होती थी और ऊपर से जब साँस लेने पर धुँध बनती तो चश्मे और उस पॉलिथिन की वजह से मुझे कुछ नजर नही आता था। इच्छा होती थी कि ये PPE KIT, N95 MASK उतार दूं और COVID-19 के आने से पूर्व जैसे Duty करती थी वैसे बिना PPE KIT, N95 MASK के Duty करूँ परन्तु ये सम्भव नही था, क्योंकी मेरी Duty जहाँ पर थी वहाँ सभी Positive pts. थे। इस तरह तैयार होकर मैं pts. की care करने जाती। वहाँ मुझे 5 Positive pts. मिले। जिसमे से Bed no. 1 पर एक महिला थी जिसके नमाह की परी नाम की बच्ची थी। बच्ची की Report Negative थी और इस महिला की Positive, जिस कारण इसे Admit किया गया, मेरे जाते ही यह महिला मुझे बोली - मैडम मुझे जाने दो यहाँ से, मैं बिलकुल ठीक हूँ मुझे मेरी बच्ची को दूध पिलाना है, उसके साथ रहना है, भगवान

Scanned by CamScanner

आप लोगो को कभी माफ नही करेगा, जिसने माँ बेटी को अलग- अलग किया है, आप लोग बहुत निर्दयी हो, आपको जरा सी भी दया नहीं आती कि कैसे 7 माह की बच्ची अपनी माँ के बिना रहेगी आप या तो मुझे उसके पास जाने दो या उसे यहाँ ले आओ मुझे उसे दूध पिलाना है वो भूखी होगी। मैंने कहा- सुनो मेरा बच्चा 13 माह का है जिसे मैं भी स्तनपान करवाती हूँ। आपकी Report Positive आने के कारण आपको Admit किया गया है वरना आप आराम से अपनी बच्ची के साथ अपने घर पर सुरक्षित और आरामदायक जीवन बीता रही होती और उसे दूध पिला रही होती। परन्तु मेरा सोचो मैं एक नर्स हूँ मैं अपने कर्तव्य पथ पर और राष्ट्रहित के लिए अपने 13 माह के बच्चे को घर छोड़कर आपकी सेवा के लिए यहां उपस्थित हूँ। मेरा बच्चा भी रो रहा होगा, मैं भी एक माँ हूँ, मुझे भी दर्द होता है, मुझे भी उससे 28 days दूर रहकर Duty निभानी है, मैं भी उसके पास नहीं जा सकती हूँ। मुझ मे भी भावनाएं है, परन्तु मैं भावनाहीन बन सकती हूँ कर्तव्यहीन कदापि नहीं। मैं एक नर्स हूँ सेवाभावना, स्वाभिमान, सहनशीलता मेरे संस्कारो मे है और ये संस्कार मेरी संस्कृति को सुसंस्कृत करते है। रही बात बच्चो की तो ये बात अच्छी है कि बच्ची की Report Negative आई है, जिस कारण वो सुरक्षित है और तुम भी जल्द ही ठीक हो जाओगी और तुम्हारी Report भी negative आ आ जाएगी तो तुम आराम से अपनी बच्ची के साथ समय बीता सकती हो। फिर मैंने उसका treatment किया और आगे बढ़ गई। अब Bed no ② पर एक जवान लड़का जिसकी आयु लगभग २२ वर्ष थी Bed के एक किनारे पर बैठा था और अपने आप

Scanned by CamScanner

को अछूत समझकर बोला - मैडम जी आप दूर ही रहें मुझसे. मैं अपने आप TABLETS ले लूंगा, मुझे सब पता है। मैंने कहा तुम TABLETS तो ले लोगे, लेकिन तुम इस तरह BED के किनारे पर क्यों बैठे हो? ये पूरा Bed तुम्हारा ही है तुम आराम से बैठो, वो बोला नहीं मैडम मैं Positive हूँ मैं किसी वस्तु को छू नहीं सकता, ना ही काम मे ले सकता हूँ, वरना सब जगह CORONA हो जाएगा। मैं उसकी बात सुनकर समझ गई वो हीन भावना से ग्रसीत होकर अपने आप को हीन व्यक्ति समझ रहा है। मैंने उससे कहा देखो तुम इस तरह अपने आप को हीन मत समझो। कोरोना होना कोई लाइलाज बीमारी नहीं है, जिसका इलाज ना हो, यह तो एक संक्रमण की तरह है जो किसी को भी हो सकता है और सावधानी व इलाज लेने से ठीक हो जाता है। और रही बात वस्तु को छूने की तो तुम हाथ धोते रहो, मुंह पर मास्क लगाकर रखो, सेनेटाइजर उपयोग में लो और साफ सफाई अच्छी Diet और Proper medicine लेते रहो, जल्द ही स्वस्थ हो जाओगे। फिर उसका Treatment करके मैं Bed no.3 के पास आई जो कि एक 55 वर्ष की महिला थी, मैंने उनसे बोला माताजी नमस्कार वो बोली - बेटा मेरा जी घबरा रहा है, मेरी बेटी के बच्चा होने वाला है और मैं यहां पर हूँ, मेरी बहू जानकार नहीं है, मेरी बेटी का काम कौन करेगा? मैं कब तक अपने घर जा पाऊंगी? कब तक मुझे यहाँ और रहना पड़ेगा? मैंने कहा माताजी - आप चिंतित ना हो आप जल्द ही ठीक होकर घर चले जाओगे बस निश्चिन्त रहो। भगवान एक रास्ता बंद करता है तो दूसरा खोल देता है आपकी बहू जरुरत आने पर सब सम्भाल लेगी।

Scanned by CamScanner

आवश्यकता - आविष्कार की जननी है। मेरे जवाब के बाद माताजी के चेहरे के भाव से मुझे लगा माताजी को शान्ति और सन्तुष्टि मिली। उन्होंने कह भी दिया बेटा तुम सही कह रही हो, मैंने तो मात्र 13 वर्ष की आयु में ही गृहस्थ जीवन शुरू कर दिया था और 18 वर्ष में मैं माँ बन गई थी। इन माताजी का भी treatment कर मैं आगे बढ़ी। Bed no ④ पर एक नवविवाहित युवती थी जिसका COVID-19 Positive होने का कारण दूसरे प्रदेश की यात्रा के दौरान पाया गया था। वह बोली यदि मैं अपने ससुराल से पीहर नहीं आती तो मैं Positive नहीं होती और आज मैं अपने पति से तो दूर हो ही गई माता पिता से भी दूर हो गई। मैं बोली सही है, आपने कुछ तो असावधानी और लापरवाही रखी थी, इस कारण आप संक्रमित हुई हो किन्तु अब सोचने वाली बात यह है कि जो हो चुका है उस भूत के बारे में ना सोचकर वर्तमान और भविष्य की सोचो। सकारात्मक विचार रखो कि जो हुआ वो हो गया अब जो भी होगा अच्छा होगा, आप शीघ्र ही स्वस्थ हो जाओगी। इसका भी treatment कर मैं आगे बढ़ी। Bed no ⑤ पर जो वृद्ध पुरुष थे उनकी उम्र 95 years की थी लेकिन दिखने में वो 75 years के लगते थे। मेरे Bed के पास जाते ही उन्होंने मेरा हाथ पकड़ लिया और बोले कैसी हो बेटी? मुझे उनका इस तरह का व्यवहार अटपटे के साथ-2 अच्छा भी नहीं लगा, परन्तु मैंने उनकी उम्र का लिहाज करते हुए कहा भासा (जोधपुरी भाषा में बुजुर्ग पुरुष को कहते हैं) मैं ठीक हूँ आपकी तबीयत कैसी है वो बोले बेटी मेरे जीवन में अब कुछ बाकी रहा नहीं है, पत्नि थी जो साथ छोड़ गई, बेटी-बेटा, बहू, जवाई, पोता, पोती, दोहीता-दोहिती सब कुछ है, जो सब अपने-अपने हाल में मस्त है। मेरे लिये तो ये HOSPITAL

Scanned by CamScanner

घर से भी बढकर है, क्योंकी यहां समय पर खाना-चाय नाश्ता पानी सब मिल जाता है, हवाई और सेवा भी हो जाती है घर पर तो पानी-पानी चिल्लाते रहो तो भी पानी नसीब नही होता। मैं तो चाहता भी नही कि मेरी Report Negative नही आये। मै तो Positive होकर ही खुश हूँ। उनकी बात का मेरे पास जवाब कुछ कम ही था क्योकी इनकी समस्या पारिवारीक थी, जो कि स्वयं परिवार के सदस्य ही दूर कर सकते थे। फिर भी मैंने कहा आसा भगवान जो भी करते है सोच समझ कर करते है। अब शायद आपके परिवार के सदस्यो में बदलाव आये और वे आपको खोने के डर से आपकी परवाह करने लगे आप तो बस सकारात्मक सोच को बनाये रखो। All is well. सब अच्छा ही होगा। आसा बोले बेटी काश! तुम मेरे परिवार की सदस्य होती। मैं देखता हूँ, तुम सब मरीजो की बात सुनती हो, सबको समझाती हो सबकी सेवा करती हो, भगवान तुम्हें सदा खुश रखे। मैंने कहा आसा आपका बहुत-बहुत आभार ये सब मेरा कर्तव्य है। फिर मैंने उनका Treatment किया और अपने Duty Room में चली गई। Duty Room मे आते ही मुझे अहसास हुआ कि मैं पसीने से लथपथ हूँ और Dehydrate महसूस कर रही हूँ। फिर अगले ही पल मुझे ख्याल आया कि जब मैं मरीजो के पास होती हूँ तो उनकी सेवा और बातो में मुझे पसीने, साँस लेने आदि की मुश्किल का पता ही नहीं चलता है। इन मरीजो का यहाँ पर कोई नही है सिवाय मेडिकल स्टाफ (जैसे- Dr. Nurse ward boy, Sweeper) के इसलिए ये अधिक पीडित है। मैं तो यहाँ पर शारीरिक रूप से असहज महसूस कर रही हूँ ये शारीरिक के साथ मानसिक रूप से भी ग्रसित है। इन्हें घर परिवार के साथ समाज से भी डर है कि समाज इन्हें हेय दृष्टि से देखेगा कि ये Positive pts. है।

Scanned by CamScanner

मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि मैंने अपनी तरफ से इन्हें समझाया और सन्तुष्ट भी किया कि ये जल्द ही ठीक हो जायेंगे। हम सब का भी परम् दायित्व है कि इन्हें सामान्य मनुष्य की तरह ही Treat करें, इनसे भावनात्मक दूरी ना बनायें। फिर इस तरह मैं Duty करके GOVT. Hotel मे चली गई, क्योंकी मैं भी राजकीय आदेश के तहत अपने घर परिवार से दूर Quarantine थी। मेरा बच्चा बहुत रोता और दूध भी नही पीता था, लेकिन मैं उससे video call से बात कर लेती, call से मुझे देखकर और ज्यादा रोता था, परन्तु मेरे परिवार ने उसका ध्यान रखा जिससे मैं निश्चित होकर Duty कर पायी। इस तरह Duty करते हुए एक new positive pt. Admit हुआ जो कि 15 वर्ष का बालक था, वह इस CORONA संक्रमण से अनभिज्ञ था और अपने साथ MOBILE भी लाया था, जिसमे CANDY CRUSH खेलता रहता था, अपने ही हाल मे मस्त था, उसने मुझे बताया कि वह 9 class मे पढ़ता था, उसे मजा आ गया CORONA के आने से क्योंकि वो PROMOTE होकर 10th मे आ गया बिना EXAM दिये PASS होने की खुशी के आगे CORONA का गम कुछ भी नही था उसके लिए। मैं उसकी मासूमियत से खुश थी, इस तरह मैंने भाँति-भाँति के Pts. देखे। मैंने बहुत कुछ अनुभव लिया और मैंने भी अपनी तरफ से Support किया। मेरे लिए COVID-19 मे Duty समाप्ति पर खुशी की बात यह थी कि जिस दिन मेरी Last Duty थी, उसी दिन इन सभी Positive Pts. की पुनः Report आनी थी, मैं उत्साहित थी सबकी Report जानने के लिए क्योंकि इन सभी से ना जाने एक अजीब सा रिश्ता जुड गया था। जब मुझे पता चला कि सबकी

Scanned by CamScanner

Report Negative आई है, तो मेरी ख़ुशी का ठिकाना नही रहा। यकायक ही मेरी आँखों से आँसुओं की धारा बहने लगी जो इस बात का प्रमाण थी कि यह Positive से Negative Report पूरा ना सही कुछ हद तक तो सकारात्मक सोच और मेरी सेवा का परिणाम है।

इस तरह ख़ुशी-2 मेरी COVID-19 Positive ward में Duty समाप्त हुई और मेरी स्वयं की Report Negative आने पर मैं अपने घर आ गई।

COVID-19 Positive ward में Duty करने का अनुभव इस कहावत को चरितार्थ करता है कि "we are each responsible for all of our experiences" (हम प्रत्येक अपने सभी अनुभवों के लिए ख़ुद जिम्मेदार हैं।)

मेरा अनुभव अत्यन्त सुखद और सीख देने वाला था कि सकारात्मक सोच, उचित सलाह और सही उपचार से संघर्ष पर सफलता सहर्ष प्राप्त की जा सकती है।

टीना त्रिपाठी
29/06/2020

Scanned by CamScanner